इब्रानियों की पुस्तक

अध्ययन निर्देशिका

अध्याय एक

इब्रानियों की पृष्ठभूमि और उद्देश्य

THIRD MILLENNIUM MINISTRIES

Biblical Education. For the World. For Free.

For videos, manuscripts, and other resources, visit Third Millennium Ministries at thirdmill.org.

विषय-सूची

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका 3

I. परिचय (0:20) 4

II. पृष्ठभूमि (1:56) 4

A. लेखनकार्य (2:17) 4

B. मूल श्रोता (14:07) 7

C. तिथि (24:45) 8

III. उद्देश्य (27:38) 9

A. उपदेशों की तीव्रता (31:24) 9

B. उपदेशों का लक्ष्य (38:39) 10

IV. सारांश (54:30) 12

पुनर्समीक्षा के प्रश्न 13

उपयोग के प्रश्न 16

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

इस अध्याय को कैसे इस्तेमाल करें और अध्ययन निर्देशिका

इस अध्ययन निर्देशिका को इसके साथ जुड़े वीडियो अध्याय के साथ इस्तेमाल करने के लिए तैयार किया गया है। यदि आपके पास वीडियो नहीं है तो भी यह अध्याय के ऑडियो और/या लेख रूप के साथ कार्य करेगा। इसके साथ-साथ अध्याय और अध्ययन निर्देशिका की रचना सामूहिक अध्ययन में इस्तेमाल किए जाने के लिए की गई है, परन्तु यदि जरुरत हो तो उनका इस्तेमाल व्यक्तिगत अध्ययन के लिए भी किया जा सकता है।

- **इससे पहले कि आप वीडियो देखें**
    - **तैयारी करें** — किसी भी बताए गए पाठन को पूरा करें।
    - **देखने की समय-सारणी बनाएं** — अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय को ऐसे भागों में विभाजित किया गया है जो वीडियो के अनुसार हैं। कोष्ठक में दिए गए समय कोड्स का इस्तेमाल करते हुए निर्धारित करें कि आपको देखने के सत्र को कहाँ शुरू करना है और कहाँ समाप्त। IIIM अध्याय अधिकाधिक रूप में जानकारी से भरे हुए हैं, इसलिए आपको समय-सारणी में अंतराल की आवश्यकता भी होगी। मुख्य विभाजनों पर अंतराल रखे जाने चाहिए।
- **जब आप अध्याय को देख रहे हों**
    - **नोट्स लिखें** — सम्पूर्ण जानकारी में आपके मार्गदर्शन के लिए अध्ययन निर्देशिका के नोट्स के भाग में अध्याय की आधारभूत रूपरेखा रहती है, इसमें हर भाग के आरंभ के समय कोड्स और मुख्य बातें भी रहती हैं। अधिकांश मुख्य विचार पहले ही बता दिए गए हैं, परन्तु इनमें अपने नोट्स अवश्य जोड़ें। आपको इसमें सहायक विवरणों को भी जोड़ना चाहिए जो आपको मुख्य विचारों को याद रखने, उनका वर्णन करने और बचाव करने में सहायता करेंगे।
    - **टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखें —** जब आप वीडियो को देखते हैं तो जो आप सीख रहे हैं उसके बारे में आपके पास टिप्पणियां और/या प्रश्न होंगे। अपनी टिप्पणियों और प्रश्नों को लिखने के लिए इस रिक्त स्थान का प्रयोग करें ताकि आप देखने के सत्र के बाद समूह के साथ इन्हें बाँट सकें।
    - **अध्याय के कुछ हिस्सों को रोकें/पुनः चलाएँ** — अतिरिक्त नोट्स को लिखने, मुश्किल भावों की पुनः समीक्षा के लिए या रुचि की बातों की चर्चा करने के लिए वीडियो के कुछ हिस्सों को रोकना और पुनः चलाना सहायक होगा।
- **वीडियो को देखने के बाद**
    - पुनर्समीक्षा के प्रश्नों को पूरा करें — पुनर्समीक्षा के प्रश्न अध्याय की मूलभूत विषय-वस्तु पर निर्भर होते हैं। आप दिए गए स्थान पर पुनर्समीक्षा के प्रश्नों का उत्तर दें। ये प्रश्न सामूहिक रूप में नहीं बल्कि व्यक्तिगत रूप में पूरे किए जाने चाहिए।
    - उपयोग के प्रश्नों के उत्तर दें या उन पर चर्चा करें — उपयोग के प्रश्न अध्याय की विषय-वस्तु को मसीही जीवन, धर्मविज्ञान, और सेवकाई से जोड़ने वाले प्रश्न हैं। उपयोग के प्रश्न लिखित सत्रीय कार्यों के रूप में या सामूहिक चर्चा के रूप में उचित हैं। लिखित सत्रीय कार्यों के लिए यह उचित होगा कि उत्तर एक पृष्ठ से अधिक लम्बे न हों।

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

नोट्स

I. परिचय (0:20)

II. पृष्ठभूमि (1:56)

A. लेखनकार्य (2:17)

1. पहचान (2:40)

इब्रानियों के लेखक ने स्वयं की पहचान नहीं कराई है।

यीसुबियस ने अपनी पुस्तक *कलीसिया का इतिहास* में ओरेगन को संदर्भित करते हुए यह लिखा है : "परन्तु अब [इब्रानियों के] पत्र को किसने लिखा है, परमेश्वर इस विषय में सत्य को जानता है।"

इब्रानियों की पुस्तक को मरसोनाईट मापदण्ड (144 ईस्वी) और मारटोरीयन मापदण्ड (170 ईस्वी) में जोड़ने से छोड़ दिया गया।

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

धर्माध्यक्षीय अवधि के अन्त तक प्रभावशाली व्याख्याकारों के बहुमत ने इब्रानियों को मापदण्ड के एक हिस्से के रूप में स्वीकार कर लिया था।

मध्यकालीन अवधि में, ज्यादातर विद्वानों ने विश्वास किया कि पौलुस ने इब्रानियों को लिखा था।

आज, व्याख्याकारों का एक विशाल बहुमत तीन कारणों से पौलुस के लेखक होने को अस्वीकार कर देते हैं :

- लेखक अपरिचित है: पौलुस अपने पत्रों में अपना नाम देता था।

- विषय : इब्रानियों की पुस्तक ऐसे विषयों के ऊपर जोर देती है जिनके प्रति पौलुस के पत्रों में ध्यान नहीं दिया गया है।

- पीढ़ी : इब्रानियों के लेखक ने स्वयं को यीशु के अनुयायियों की पहली पीढ़ी से दूर किया था।

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. पार्श्वचित्र (8:28)

- यूनानी दृष्टिकोणीय यहूदी :
    - पुराने नियम का ज्ञान
    - परिष्कृत यूनानी
- जुनूनी बौद्धिकता :
    - जटिल धर्मवैज्ञानिक विचार
    - मसीही विश्वास साथी और मसीहियों के लिए भक्ति और जुनून (इब्रानियों 10:33-34; 12:1-2)।

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

B. मूल श्रोता (14:07)

लेखक ने एक विशेष तरह के श्रोताओं को लिखा जिनसे वह व्यक्तिगत् रूप से परिचित था (इब्रानियों 13:19-24) ।

1. यहूदी (15:01)

लेखक ने पुराने नियम के इस्राएलियों को "हमारे बापदादों" कह कर पुकारा है (इब्रानियों 1:1)।

2. यूनानी दृष्टिकोणीय यहूदी (15:50)

इब्रानियों में धर्मवैज्ञानिक शिक्षाएं हैं जो कि पलिश्तीन से बाहर रहने वाले यहूदियों में अधिक मात्रा में प्रचलित थीं।

3. अपरिपक्व (16:46)

इब्रानियों के लेखक ने यह अपेक्षा की कि कलीसिया के अगुवे उनकी सभाओं में उसकी पुस्तक की शिक्षा दें (लूका 4:16, प्रेरितों 13:15, 1 तीमुथियुस 4:13)।

मूल श्रोतागणों का एक बड़ा समूह धर्मवैज्ञानिक रूप से अपरिपक्व रहा होगा क्योंकि उन्होंने अपने अगुवों को उचित सम्मान नहीं दिया था (इब्रानियों 5:11; 13:17)।

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

4. सताए हुए (19:03)

उन्होंने अतीत में उत्पीड़न का सामना किया था, उन में कुछ वर्तमान में भी दुखों को उठा रहे थे, और उनमें से कुछ भविष्य में भी दुखों को उठाएंगे। (इब्रानियों 10:32-35; 12:3-4; 13:3).

5. स्वधर्मत्याग के निकट होना (23:03)

उनमें से कुछ पूरी तरह से मसीह से दूर होने के खतरे में थे (इब्रानियों 10:26-27)।

C. तिथि (24:45)

इस पुस्तक की आरम्भिक (*टरमिनुस अ क्यो*) और नवीनतम (*टरमिनुस ऐड क्युम*) तिथियों को अपेक्षाकृत दृढ़ता से स्थापित किया जा सकता है :

- आरम्भिक सम्भावित तिथि : पौलुस की मृत्यु के बाद, 65 ईस्वी के आसपास

- नवीनतम सम्भावित तिथि : मन्दिर के नाश होने से पहले, 70 ईस्वी में

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

III. उद्देश्य (27:38)

इब्रानियों के लेखक ने उसके पाठकों को ये उपदेश देने के लिए लिखा कि वे स्थानीय यहूदी शिक्षाओं को अस्वीकार कर दें और यीशु के प्रति विश्वासयोग्य बने रहें।

इब्रानियों के लेखक ने उसके श्रोताओं से विनती की कि वे उसकी पुस्तक को उपदेश की बातों के रूप में ग्रहण करें (इब्रानियों 13:22)।

A. उपदेशों की तीव्रता (31:24)

1. आवृत्ति (31:57)

लेखक के उपदेशों की आवृत्ति हमारी उसके सन्देश को समझने की आवश्यकता में सहायता करती है।

लेखक ने "उत्साह वर्धक संभाव्य" का उपयोग किया है — एक यूनानी क्रिया का रूप जिसका प्रयोग आग्रह करने में किया जाता है। (इब्रानियों 4:14, 16; 12:12-16).

लेखक ने अपने श्रोताओं को निर्देशात्मक आदेश का उपयोग करके भी उपदेश दिया।

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

2. अलंकारिक शैली (33:54)

इब्रानियों की पुस्तक अत्यधिक साहित्यिक औजारों का उपयोग करती है जो कि प्रेरक भाषणकला या पहली शताब्दी में आवश्यक वाद विवाद से जुड़े हुए थे :

- *सियनक्रीसिस*, दो या इससे अधिक चीजों के मध्य में की जाने वाली तुलना (इब्रानियों 7:11-28)।

- *इग्जाम्पला*, उदाहरणों और दृष्टान्तों की सूची है जो कि एक के बाद एक आते चले जाते हैं (इब्रानियों 11)।

- *कौल वाहोमेर*, "कमजोर से भारी" : क्योंकि सामान्य आधार-वाक्य सत्य है, तब निश्चित ही और अधिक कठिन निष्कर्ष भी सत्य ही होगा (इब्रानियों 10:28-29)।

B. उपदेशों का लक्ष्य (38:39)

1. स्थानीय शिक्षाओं को अस्वीकार करना (39:21)

दुखों से दूर रहने के लिए इब्रानियों के श्रोता ऐसी शिक्षाओं को स्वीकार करने की परीक्षा में पद गए थे जो कि मसीही विश्वास के विपरीत थीं।

इब्रानियों के लेखक ने उन गलत मान्यताओं और व्यवहारों का निपटारा किया है जो कि यहूदी समुदाय से बाहर के यहूदीवाद की मुख्यधारा में विकसित हुई थी (इब्रानियों 13:9)।

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

कुमरान नामक स्थान पर मृतक सागर के कुडण्ल पत्र इब्रानियों में स्थानीय यहूदी शिक्षाओं के विरुद्ध बहुत से उपदेशों को समझने में हमारी सहायता करते हैं।

- अनुष्ठानिक भोजन को खाना (इब्रानियों 13:9)

- मूल शिक्षाओं का वर्गीकरण (इब्रानियों 6:1-2)

- भले और बुरे स्वर्गदूतों की शक्तियां और भूमिकाएं

- मलिकिसिदक के बारे में झूठी शिक्षा

2. यीशु के प्रति विश्वस्त बने रहना (48:46)

अपने श्रोताओं को यीशु के प्रति विश्वासयोग्य सेवा में बने रहने की बुलाहट के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, इब्रानियों के लेखक ने उसके उपदेशों को पाँच मुख्य भागों में संगठित किया है :

- स्वर्गदूतों के प्रकाशनों से बढ़कर मसीह की सर्वश्रेष्ठता (इब्रानियों 1:1-2:18)

- मूसा के अधिकार से बढ़कर यीशु (इब्रानियों 3:1-4:13)

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

- यीशु मलिकिसिदक की रीति पर सर्वश्रेष्ठ राजकीय याजक (इब्रानियों 4:14-7:28)

- यीशु में नई वाचा की सर्वश्रेष्ठता (इब्रानियों 8:1-11:40)

- व्यवहारिक दृढ़ता को प्रयोग (इब्रानियों 12:1-13:25)

IV. सारांश (54:30)

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

पुनर्समीक्षा के प्रश्न

1. अधिकांश व्याख्याकार यह क्यों मानते हैं कि पौलुस इब्रानियों की पुस्तक का लेखक नहीं था?

2. इब्रानियों की पत्री के मूल पाठकों की पांच विशेषताओं का वर्णन कीजिए और प्रत्येक विशेषता के लिए बाइबल के समर्थन को प्रदान कीजिए।

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

3. इब्रानियों की पुस्तक की रचना की संभावित तिथियाँ कौनसी हैं? इन तिथियों से घिरे वचन से संबधित और ऐतिहासिक प्रमाणों का वर्णन कीजिए।

4. अपने पाठकों को उपदेश देने के लिए इब्रानियों के लेखक ने कौनसी साहित्यिक विधियों का प्रयोग किया?

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

5. अपने पाठकों के लिए इब्रानियों के लेखक के मन कुछ विशेष लक्ष्य थे। लेखक के लक्ष्यों को दर्शाइए और उन्हें स्पष्ट कीजिए और उसने किस प्रकार अपने उपदेशों के प्रति अपने पाठकों से प्रत्युत्तर देने की अपेक्षा की।

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org

उपयोग के प्रश्न

1. इब्रानियों के लेखक के विषय में ओरेगन ने कहा "परन्तु अब इस पत्र को किसने लिखा है, परमेश्वर इस विषय में सत्य को जानता है।" क्या पुस्तक की यह अनिश्चितता इसके अंदेश में आपके विश्वास को प्रभावित करती है? अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए।

2. इब्रानियों 5:12 के अनुसार इब्रानियों के मूल श्रोता अपरिपक्व थे। आपके जीवन में ऐसे कौनसे क्षेत्र हैं जिनमें सैद्धांतिक उन्नति की आवश्यकता हो?

3. मसीह का अनुसरण करने के कारण मूल पाठकों को सताया गया था। क्या मसीह में आपके विश्वास के कारण कभी आपको सताया गया है? लेखक का संदेश आपको किस प्रकार प्रोत्साहित करता है?

4. लेखक ने संघर्ष कर रहे मसीहियों को यह उपदेश देने के लिए लिखा कि वे झूठी शिक्षाओं को त्याग दें और यीशु के प्रति विश्वासयोग्य रहें। आप कौनसी झूठी शिक्षाओं का सामना कर रहे हैं? मसीह के प्रति विश्वासयोग्य रहने के लिए अपने कौनसी विधि अपनाई है?

5. इब्रानियों के लेखक ने अत्यावश्यकता के भाव के साथ अपने संदेश को सुनाया। आप इब्रानियों में पाए जाने वाले अत्यावश्यकता के भाव के समान किस प्रकार सुसमाचार को सुना और जी सकते हो?

6. इब्रानियों की पुस्तक बहुत अधिक अलंकारिक है। आप मसीहियों को बाइबल के सत्य का उपदेश देते हुए इस तकनीक का प्रयोग कैसे कर सकते हैं?

7. अपने जानने वाले कुछ ऐसे मसीहियों का नाम बताइए जिन्होंने कष्टों के सामने भी अपने विश्वास को बनाए रखा और मसीह से दूर नहीं हुए। उनमें ऐसी कौनसी बातें हैं जिनका अनुकरण करना चाहिए?

8. आप इस समय कौनसी सेवाकाईयों से जुड़े हुए हैं, और वे किस प्रकार मसीहियों को यीशु के प्रति विश्वासयोग्य रहने में सहायता और प्रोत्साहित कर रही हैं?

9. इस अध्ययन से आपने कौनसी सबसे महत्वपूर्ण बात सीखी है?

© 2014 by Third Millennium Ministries www.thirdmill.org